अगस्त, 2023

दुनिया
टी

इंदौर

www.naidunia.com

भारत बना चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश तो खुशी, आंसू, आल्हाद और आनंद में डूब गए

इंदौरी

कमाल करते हैं इसरो वाले भी उतरने की इच्छा चांद पर थी और उतर पूरे भारत के दिल में गए

राजवाड़ा से लेकर शहर की सड़कों और घरों तक में छाई भारत के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने की खुशी

देश के हर सुख-दुख में इंदौर ऐसे शामिल रहता है, जैसे आंखों के हर सुख-दुख में आंसू शामिल रहते हैं। खुशी हो तो भी अश्रु बह निकलते हैं और दुख में भी। बुधवार शाम को जब गर्व, दर्प और स्वाभिमान से भरी हुई अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने अपनी मेधा, प्रज्ञा, कुशलता व सटीकता से चंद्रयान-3 को चांद पर उतारा, तो इंदौरी आनंद, उल्लास और आंसुओं में डूब गए। भारत द्वारा चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बनने की खुशी राजवाड़ा से लेकर शहर की सड़कों और घरों तक में खूब छाई। हर दिल अपनी रेगुलर धड़कन से कुछ ज्यादा धड़का। इंदौर ने कैसे मनाया यह उत्साह और इंदौरियों के दिल से कैसे बह निकली खुशियों की अविरल धारा...इसे समेटने का प्रयास किया नईदुनिया सिटी ने।

इंदौर के दिल में कुछ यूं मना चंद्रयान 3 की सफलता का जश्न। राजवाड़ा पर बड़ी संख्या में पहुंचे शहरवासियों ने तिरंगा लहराते हुए ढोल की थाप पर भारत की सफलता का जश्न मनाया। प्रफुल्ल चौरसिया 'आशु'

इंटरनेट मीडिया पर अनूठे अंदाज में लैंड करते रहे इंदौरी

- कमाल करते हैं ये इसरो वाले, उतरने की इच्छा चांद पर थी और उतर पूरे हिंदुस्तान के दिल में गए। – अवनीश कुमार, नवोदयन
- इंदौर के भूमाफियाओं की नजर अब चांद पर। वहां भी अवैध कालोनी काटने की योजना बनने लगी। चांद के अधिकारी हो जाएं सतर्क। – अथर्व राठौर
- चांद पर सबसे पहली कालोनी इंदौरी बिल्डर ही काटेंगे। दुकान, प्लाट, मकान के लिए संपर्क करें। – मुकेश जैन
- भिया, मैं तो इस भीड़-भड़क्के वाली धरती को छोड़कर चांद पे रहने जा रिया हूं, तुम चल रिये हो क्या। – राहुल चाकरे
- चलो बढ़िया है, अब चांद पर भी पोहे खाने को मिलेंगे। – प्रियांक मंडलोई
- पूरी दुनिया से कह दो, आज चांद पर है अपुन....। – बंटी सोलंकी

राजवाड़ा और 56 पर उमड़ पड़े इंदौरी

इंदौर को जब भी कोई सार्वजनिक उत्सव मनाना हो तो सब लोग राजवाड़ा पर एकत्र हो जाते हैं। इस बार भी चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग देखने और उत्सव मनाने के लिए लोग राजवाड़ा पहुंच गए। यहां सहित 56 दुकान पर लैंडिंग का सीधा प्रसारण किया गया। राजवाड़ा पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा, नंदकिशोर पहाड़िया, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, पार्षद कमल वाघेला, मुद्रा शास्त्री, पंखुड़ी जैन, रूपाली पेंढारकर सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि यह घटना भारतीय वैज्ञानिकों के दृढ संकल्प को चंद्रमा का नमन है। इसरो के वैज्ञानिकों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई।

उन्नत अनुसंधान को मिलेगी गति

चंद्रयान-3 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र को बहुत ताकत देगा। इसरो के वैज्ञानिकों को हार्दिक बधाई। देश के प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी संस्थान होने के नाते हम भविष्य के मिशनों में उनके साथ अधिक सक्रिय रूप से बातचीत करना चाहेंगे। उनकी सफलता अंतरिक्ष विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान को गति प्रदान करेगी।
– प्रो. सुहास जोशी, निदेशक, आइआइटी, इंदौर

हम भाग्यशाली हैं कि यह दौर देख रहे हैं

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर पूरी चंद्रयान-3 टीम को बधाई। हम भाग्यशाली हैं कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की ओर भारत के इस विजयी कदम को देखने के लिए इस दौर में जीवित हैं। इस मिशन में जो समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन हुआ है, वह वास्तव में सराहनीय है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक कौशल बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि भारत के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के कौशल और कठिन परिश्रम को दर्शाती है।
– प्रो. हिमांशु राय, निदेशक, आइआइएम, इंदौर

मिशन की सफलता से विद्यार्थियों में उत्साह

भारत ने विश्व स्तर पर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। इस मिशन में हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों सहित सभी का शानदार समन्वय देखने को मिला। इसे सफल बनाने में हर देशवासी की प्रार्थना शामिल थी। इस सफलता से विद्यार्थी बहुत उत्साहित हैं क्योंकि उन्हें समझ में आ गया है कि यदि हमारे वैज्ञानिक जीरो एरर के साथ यह कार्य अपने देश में कर सकते हैं, तो हम अपने इंस्टीट्यूट में भी बड़े-बड़े कार्य कर सकते हैं।
– प्रो. राकेश सक्सेना, निदेशक, एसजीएसआइटीएस

यह भारत की आस्था की भी विजय

चंद्रयान-3 की सफलता पूरे देश को गौरवान्वित कर रही है। चौथा आयाम काल (समय) का होता है। चंद्रयान-3 से पहले वैज्ञनिकों ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा की थी, जिससे सफलता में प्रार्थना का भी योगदान शामिल हो गया।
– डा. मोहन गुप्त, पूर्व आइएएस व संस्कृताचार्य

मन झूम उठा

चंद्रयान-3 जैसे ही सफलतापूर्वक लैंड हुआ, मन झूम उठा। गर्व ने अंतरमन तक पैठ बना ली। खुशी के मारे आंसू छलक आए। सक्षम नेतृत्व, कर्मठ वैज्ञानिकों की वजह से आज भारत को गर्व करने का मौका मिला है।
– कुनाल मिश्रा, लीडर, विजयंत स्काउट दल

भारत को मिली नई ऊर्जा

युवा पीढ़ी को विज्ञान की ओर ले जाएगी यह उपलब्धि
चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग गर्व का विषय है। इससे भारत को एक नई ऊर्जा मिली। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला भारत पहला देश बन गया। इससे युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी और वे विज्ञान की तरफ आकर्षित होकर इस क्षेत्र में भविष्य बनाएंगे।
– प्रांजल शुक्ल, विभाग प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ

हमने कर लिया चांद मुट्ठी में

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तापमान माइनस 230 डिग्री तक चला जाता है, इससे वहां काम करना बहुत चुनौतीपूर्ण व मुश्किल भरा होता है। किंतु भारतीय वैज्ञानिकों ने चुनौती स्वीकारी और विजय प्राप्त की।
– राजकुमार जैन, लेखक ।

विश्व मानेगा हमारा लोहा

चंद्रयान-3 की सफलता ने भारतीय होने के गर्व को और बढ़ा दिया है। वास्तव में यह सफलता केवल चंद्रमा को छूने भर की नहीं बल्कि भारतीयों के बुद्धि, कौशल और पराक्रम की है। चंद्रयान तीन की सफलता से युवा भारतीय तथा वैज्ञानिकों के मन में आशा और विश्वास स्थापित हुआ है कि हम भारतीय किसी से कम नहीं। विश्व समुदाय जो कभी सांस्कृतिक, मानवीय और ऐतिहासिक मूल्य के लिए भारत की ओर अग्रसर होता था, अब वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर भी भारत का लोहा मानने लगेगा। सभी देशवासियों एवं चंद्रयान 3 अभियान से जुड़े वैज्ञानिकों को ह्रदय तल से बधाई और अभिनंदन।
– डा. दीपेंद्र शर्मा

अपनी ताकत का लोहा हमने फिर से मनवाया है।

अंबर से नित वसुधा तक हमने यश फहराया है।
पवनपुत्र के अनुयायों ने पूर्ण किया संकल्पो को।
आज तिरंगा चंदा मामा के घर जाकर लहराया है।
– राहुल शर्मा, राष्ट्रीय कवि

एसजीएसआइटीएस में मना उत्सव

श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) में चंद्रयान-3 की लैंडिंग का लाइव प्रसारण देखा गया। सांसद शंकर लालवानी और निदेशक डा. राकेश सक्सेना उपस्थित रहे। यान की सफल लैंडिंग पर कालेज के बोर्ड रूम में मौजूद सभी लोगों ने तालियां बजाईं और मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी। इस दौरान सभी ने भारत माता की जय का घोष किया। इस अवसर पर अध्यापकों द्वारा अभियान के तकनीकी पहलुओं पर विचार-विमर्श भी किया गया।

शिव महापुराण कथा में मना चंद्रयान की सफलता उत्सव

सनातन धर्म विज्ञान सम्मत है, यही कारण है कि इस धर्म में विज्ञान को सदैव सम्मान दिया गया है। इसका प्रमाण बुधवार शाम को भी मिला। नंदानगर स्थित गणेश मंदिर में चल रही सात दिनी शिव महापुराण कथा में कथावाचक पं. सतीशचंद्र सुदर्शन ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग का उत्सव मनाया। इस अवसर पर भक्तों ने तिरंगा ध्वज फहराया और देशभक्ति गीत गाए गए। भक्तजन धर्म और विज्ञान के इस अद्भुत समन्वय को देख आनंद में डूबते रहे।

अंतरिक्ष अनुसंधान को मिलेगा महत्त्वपूर्ण बढ़ावा

चंद्रयान-3 मिशन का सफल होना भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। पूरा देश इस बात का उत्सव मना रहा है। इंदौर के लिए गर्व की बात है कि इस मिशन से पहले हुए अनुसंधानों में इंदौर का भी योगदान रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकैट) ने अंतरिक्ष अनुसंधान में योगदान दिया था। भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष अनुसंधान में सहयोग के लिए भी इंदौर के इन दिग्गज संस्थानों के वैज्ञानिक तैयार हैं। चंद्रयान-3 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र को बहुत बढ़ावा देने वाला है। इससे अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर रहे नए स्टार्टअप्स में नया आत्मविश्वास आएगा। इस मिशन की सफलता ने भारत को अमेरिका, चीन और रूस जैसे देशों के विशिष्ट समूह में खड़ा कर दिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया है। इस मिशन के माध्यम से हासिल की गई तकनीक अगले और अधिक जटिल अंतरिक्ष मिशनों की योजना बनाने में मदद करेगी। लैंडर और रोवर माड्यूल द्वारा किया जाने वाला माप चंद्रमा की सतह पर रासायनिक संरचना और पानी की उपस्थिति सहित चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा।